

विषय-सूची

पुरोवाक्	iii-iv
आमुख	v-xiii
प्राक्कथन	xv-xxiii
प्रथम अध्याय	विषय-प्रवेश 1-86
1- शासन का उद्भव	1
(i) वैदिक सिद्धान्त	3
(ii) राजा का निर्वाचन	6
(iii) अराजक दशा और मात्स्य न्याय	7
(iv) राजा के अधिकारों का विकास	9
(v) राजा का देवत्व	12
(vi) प्रशासन के उद्भव में पाश्चात्य विचारकों के मन्तव्य	14
(क) दैवी सिद्धान्त	14
(ख) शक्ति या युद्ध का सिद्धान्त	15
(ग) अनुबन्ध का सिद्धान्त	15
(घ) विकास का सिद्धान्त	17
(vii) निष्कर्ष	18
2- शासन-व्यवस्था के साथ न्याय-व्यवस्था का विकास	19
3- न्याय-व्यवस्था के प्रतिपादक प्रमुख प्राचीन ग्रन्थ	28
(i) श्रुति	29
(ii) धर्मशास्त्र	31
(क) गौतम धर्मसूत्र	31
(ख) विष्णु धर्मसूत्र	31
(ग) वसिष्ठ धर्मसूत्र	31
(घ) बौधायन धर्मसूत्र	32

(ङ) आपस्तम्ब धर्मसूत्र	33
(च) हारीत धर्मसूत्र	33
(छ) अन्य धर्मसूत्र	34
(iii) स्मृतियां	34
(क) मनु स्मृति	35
(ख) याज्ञवल्क्य स्मृति	37
(ग) नारद स्मृति	38
(घ) बृहस्पति स्मृति	39
(ङ) पाराशर स्मृति	40
(च) कात्यायन स्मृति	41
(iv) अन्य शास्त्रीय ग्रंथ	41
(क) रामायण और महाभारत	42
(ख) कौटिल्य अर्थशास्त्र	43
(ग) कामन्दकनीतिसार	47
(घ) शुक्रनीतिसार	48
(v) उत्तरवर्ती निबन्धकार तथा व्याख्या-ग्रंथकार	52
(क) याज्ञवल्क्य स्मृति की मिताक्षरा टीका	53
(ख) सोमदेव सूरि	54
(ग) हेमचंद्र सूरि	56
(घ) गोपाल	57
(ङ) लक्ष्मीधर भट्ट	57
(च) देवण भट्ट	58
(छ) चण्डेश्वर	59
(ज) वाचस्पति मिश्र	59
(झ) मित्र मिश्र	60
(ञ) अपरार्क	61
(ट) कमलाकर भट्ट	61
(ठ) नीलकण्ठ भट्ट	62
(ड) अनंतदेव	63

(ढ) जीमूतवाहन	64
(xv) अन्य निबंधकार एवं लेखक	65
4- प्राचीन न्याय-व्यवस्था की कुछ विशेषतायें	66
(i) सदाचरण और नैतिकता को स्थापित करना	67
(ii) न्याय-व्यवस्था एवं दण्ड-प्रणाली में वर्ण भेद	69
(iii) कानून की समानता तथा राजा का विधि के अधीन रहना	70
(iv) न्याय में पक्षपात का न होना	72
(v) न्याय का विलम्बित तथा व्ययशील न होना	72
(vi) विधि निर्माण के आधार	74
(क) धर्म	74
(ख) व्यवहार	75
(ग) चरित्र	75
(घ) राजशासन	75
5- न्याय करने में प्रमाणों की प्रस्थापना	77
सन्दर्भ ग्रन्थ	78-86
द्वितीय अध्याय न्याय करने के मुख्य अधिकारी	87-134
1- न्याय करने का उत्तरदायित्व	89
2- न्यायालयों का संगठन एवं न्याय-विधि	94
(i) न्यायालयों के वर्ग	98
(ii) न्याय विधि	99
(iii) प्रमाण	102
(iv) व्यवहारों के भेद	103
(v) दण्ड के भेद	105
(vi) धर्मस्थ और कण्टक शोधन न्यायालय	105
(vii) न्यायालयों में वादों का प्रस्तुतीकरण	108
(viii) साक्षी	109
(ix) अनुसंधान	110

(x) न्यायाधीशों की निष्पक्षता	
(xi) विधि (कानून)	110
(xii) विवादों का निर्णय	110
(xiii) न्यायाधीशों का स्वयं पहल करना	111
3- न्यायालय के अधिकारी और अन्य कर्मचारी	111
(i) न्यायाधीश	112
(ii) न्याय-सभा तथा उसके सदस्य	113
(iii) प्राड्विवाक	114
(iv) पुरोहित	116
(v) धर्मस्थ	118
(vi) प्रदेष्टा	119
(vii) कायस्थ	119
(viii) लेखक और गणक	119
(ix) प्रतिभू	120
(x) ग्रामणी	120
(xi) पुस्तपाल	121
(xii) सूचक और स्तोभक	123
(xiii) अन्य कर्मचारी	123
सन्दर्भ ग्रन्थ	123
तृतीय अध्याय	124-134
पंचायत प्रथा	135-144
(i) पञ्चायतों के वर्ग	137
(ii) कुल	138
(iii) श्रेणी	138
(iv) गण (पूग)	138
(v) पञ्चायतों की अपील	139
(vi) शासन द्वारा पञ्चायतों की मान्यता	139
(vii) निष्कर्ष	142
सन्दर्भ ग्रन्थ	142-144

चतुर्थ अध्याय न्यायालयों की कार्यपद्धति 145-177

1- न्यायप्रणाली का सरल होना एवं न्याय का सुप्राप्त होना	147
2- याचिका प्रस्तुत करने की विधि तथा नियम	150
3- व्यवहार (मुकदमा)	152
4- व्यवहार के पाद (legal proceedings)	154
(i) भाषापाद (writing of plaint)	154
(ii) आसेध (रोक - injunction)	156
(iii) उत्तरपाद (appearance of defendant)	159
(iv) प्रतिभू (suretyship)	161
प्रतिभू के भेद -	162
(v) क्रियापाद (trial - practical working)	163
(vi) प्रमाण (evidence)	163
(vii) निर्णयपाद (judgement)	166
(viii) पुनर्विचार (review of decision)	169

सन्दर्भ ग्रन्थ

170-177

पांचवां अध्याय विवादों का वर्गीकरण 178-261

(1) ऋणादान (payment and recovery of debts)	186
(2) निक्षेप (deposits)	193
(3) अस्वामिविक्रय (sale without ownership)	197
(4) सम्भूय समुत्थान (partnership)	200
(5) दत्तस्य अनपकर्म (resumption of gifts)	203
(6) वेतनस्य अदानम्	205
(7) संविद् का व्यतिक्रम	208
(8) क्रय-विक्रय का अनुशय	209
(9) स्वामि-पाल विवाद	211
(10) सीमाविवाद (Boundary disputes)	212

(11) वाक्-पारुष्य (Defamation)	215
(12) दण्ड-पारुष्य (Assault)	218
(13) स्तेय (चोरी) (Theft)	219
(14) साहस (Offence by violence)	222
(15) स्त्री-संग्रहण (Adultery)	225
(16) स्त्री-पुंभर्म (duties of husband and wife)	226
(17) विभाग (partition)	230
(i) उत्तराधिकार में सम्पत्ति का बंटवारा	231
(ii) उत्तराधिकार से वंचित पुत्र	234
(iii) संयुक्त परिवार के सदस्यों का पारिवारिक संपत्ति में अधिकार	235
(iv) विधवा स्त्री का संपत्ति पर अधिकार	236
(v) स्त्रीधन	238
(18) द्यूत और समाह्वय	239
(19) विवादों के कुछ अन्य भेद	242
सन्दर्भ ग्रन्थ	242-261
छठा अध्याय	प्रकीर्ण विवाद
	262-287
(विवादों के कुछ अन्य भेद) (miscellaneous matters)	
(1) अभ्युपेत्याशुश्रूषा (Breach of contract of service)	265
(2) अदेयदेयदत्तानि	265
(3) जन सुविधायें (Easements)	266
(4) भूमि सम्बन्धी कानून (Land laws)	267
(5) चरागाहों को छोड़ना (Reservation of pasture land)	288
(6) नाप-तोल निर्धारण (Weights and measures)	268
(7) वाणिज्य और व्यापार (Trade and commerce)	268

(8) सीमातिक्रमण (Encroachment of other's land)	269
(9) कर निर्धारण (Taxation)	269
(10) कृषिकर (Taxation on agriculture)	271
(11) कृषि न करने पर भूमि से बेदखली (Eviction from land if not cultivated)	271
(12) तालाब आदि बनाने में कर छूट (Exemption from tax to construct bund or embarkment)	271
(13) उपनिधि की रखवाली (Liability to protect deposits)	271
(14) गुप्तकोष का मिलना (Treasure trove)	272
(15) उत्तराधिकारी के अभाव में मृतक की सम्पत्ति (Escheat)	272
(16) प्रशिक्षण काल	272
(17) उत्पीड़न (Torture)	273
(18) दास्य (Slavery)	274
(i) दासों के भेद	276
(ii) दासत्व के अयोग्य और योग्य	277
(iii) दासत्व से विमुक्ति	277
(iv) दासत्व से मुक्ति की प्रक्रिया	278
(v) दास की निजी सम्पत्ति	278
(vi) दासत्व के नियमों को भंग करने के लिये दण्ड का विधान	279
(19) कौटिल्य द्वारा विवादों का वर्गीकरण	280
सन्दर्भ ग्रन्थ	282-287
सातवां-अध्याय विवादों के निर्णायक तत्त्व	288-339
1- वेद आदि धर्मशास्त्र	292
2- देश जाति और कुलों की परम्परायें	294

3- विभिन्न व्यावसायिक संघों के नियम	295
4- युक्ति	298
5- त्रैविद्य वृद्धों की सम्मतियां	300
6- लिखित प्रमाण	303
कूटलेख	306
7- स्वत्वाधिकार	307
8- मौखिक साक्ष्य	311
(i) साक्षी के गुण	313
(ii) साक्षी के अयोग्य	314
(iii) साक्षी के चयन में सावधानी	316
(iv) साक्षी को न्यायालय में प्रस्तुत करने की पद्धति	318
(v) साक्षी द्वारा शपथ ग्रहण	319
(vi) साक्षी प्रस्तुत करने का दायित्व	320
(vii) कूट साक्ष्य	322
9- दिव्य साक्ष्य	325
10- शपथ	325
सन्दर्भ ग्रन्थ	329-339
आठवां अध्याय	दिव्य साक्ष्य 340-359
1- आरम्भिक वक्तव्य	343
2- दिव्य साक्ष्यों के भेद	345
3- अग्नि साक्ष्य	345
4- जल साक्ष्य	346
5- विष साक्ष्य	347
6- तुला साक्ष्य	347
7- कोष साक्ष्य	348
8- तप्तमाष साक्ष्य	348

9- तण्डुल विधि साक्ष्य	348
10- धर्मक विधि	348
11- दिव्य साक्ष्य के प्रयोग के अवसर	349
12- शपथ तथा दिव्य साक्ष्य का आध्यात्मिक मूल्य	352
सन्दर्भ ग्रन्थ	355-359
नवां अध्याय न्यायालय के निर्णय	360-376
1- न्यायालय के निर्णयों का कार्यान्वयन	363
2- न्यायालय की कठिनाइयां तथा भ्रष्टाचार	368
सन्दर्भ ग्रन्थ	373-376
दसवां अध्याय दण्ड व्यवस्था	377-418
1- दण्ड देने के उद्देश्य	379
(i) प्रतीकात्मक दण्ड	382
(ii) अवरोधक दण्ड	383
(iii) निरोधक दण्ड	383
(iv) सुधारात्मक दण्ड	384
(v) प्रायश्चित्त	384
2- दण्ड से विमुक्ति	385
3- दण्ड में वर्ण भेद	386
4- दण्ड के प्रकार	390
(i) वाग्दण्ड	392
(ii) धिग्दण्ड	393
(iii) अर्थदण्ड	393
(iv) उद्देजन	395
(v) अंगविच्छेद	396
(vi) निर्वासन	397
(vii) कारावास	400

कारागार से छूट	403
(viii) मृत्युदण्ड	403
(क) शूलारोपण	406
(ख) विचित्रवध	407
(ग) शिरश्छेद	407
(घ) अग्निदाह	407
(ङ) कुत्तों से नुचवा देना	408
(च) जल में डुबवाना	408
(छ) विष पिलवाना	408
(ज) भूमि में गड़वा देना	408
(झ) हाथी से कुचलवा देना	408
सन्दर्भ ग्रंथ सूची	410-418
ग्यारहवां अध्याय	उपसंहार 419-452
सन्दर्भ ग्रंथ सूची	449-452